This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No. ....

7364 **A**

M.A./II

SANSKRIT—Course 15 (Group D)

(Bhasa aur Vyakarana)

Time : 2 *Hours* *Maximum Marks* : 50

(*Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.*)

Note : *Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English.*

टिप्पणी : *अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।*

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम. ए. संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फार्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (नियमित विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

*Attempt **all** the questions.*

1. निम्नलिखित पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिये :

   Write a detailed note on the following : 10

   (क) कानि पुनः शब्दानुशासनस्य प्रयोजनानि?

   अथवा (Or)

   (ख) येनोच्चारितेन सास्नालाङ्गूलककुदखुरविषाणिनां संप्रत्ययो भवति स शब्दः।

[P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अंशों की व्याख्या कीजिये जिनमें से एक संस्कृत में हो : 10

Explain any ***two*** of the following passages out of which one must be in Sanskrit :

(क) शास्त्रपूर्वके प्रयोगेऽभ्युदयस्तुल्यं वेदशब्देन।

(ख) अस्त्यप्रयुक्तः।

(ग) अनभ्युपाय एष शब्दानां प्रतियत्तौ प्रतिपदपाठः।

(घ) किं पुनराकृतिः पदार्थ आहोस्विद् द्रव्यम्?

3. भर्तृहरि के अनुसार शब्दब्रह्मन् की अवधारणा का प्रतिपादन कीजिये। 14

Explain the concept of शब्दब्रह्मन् according to Bhartṛhari.

अथवा (Or)

भर्तृहरि के अनुसार निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any ***two*** of the following according to Bhartṛhari :

(क) अपोद्धारपदार्थ एवं स्थितलक्षण पदार्थ।

Apoddhāra-padārtha and Sthitalakṣaṇa-padārtha.

(ख) परिणाम अथवा विवर्त के रूप में सृष्टि का उद्भव।

Evolution of the universe as pariṇāma or vivarta.

(ग) प्राकृत एवं वैकृत ध्वनियाँ।

Prākṛta and Vaikṛta sounds.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** कारिकाओं की व्याख्या कीजिये :

Explain any ***two*** of the following kārikās : 16

(क) अरणिस्थं यथा ज्योतिः प्रकाशान्तरकारणम्।
तद्वच्छब्दोऽपि बुद्धिस्थः श्रुतीनां कारणं पृथक्।।

(ख) इदमाद्यं पदस्थानं सिद्धिसोपानपर्वणाम्।
इयं सा मोक्षमाणानामजिह्मा राजपद्धतिः।।

(ग) वायोरणूनां ज्ञानस्य शब्दत्वापत्तिरिष्यते।
कैश्चिद् दर्शनभेदो हि प्रवादेष्वनवस्थितः।।

(घ) अतोऽनिर्ज्ञातरूपत्वात् किमाहेत्यभिधीयते।
नेन्द्रियाणां प्रकाश्येऽर्थे स्वरूपं गृह्यते तथा।।